# बिहार विधान सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि २६ मार्च १९५२।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि २६ मार्च, १९५२ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

## तारांकित प्रश्नोत्तर।

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

### बंगरा-मझौली बोर्ड मिड्ल स्कूल।

*९०। श्री चेतू राम—क्या माननीय मंत्री, स्वायत्त-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बंगरा, मनकीली से होकर बहने वाली नुन नदी के पूरब तरफ़ एक बोर्ड मिड्ल स्कूल है;

(ख) क्या यह बात सही है कि मई महीने से लेकर जनवरी तक पानी रहने के कारण कई गांवों के लड़कों को बड़ा चक्कर लगाकर स्कूल में जाना पड़ता है;

(ग) क्या यह बात सही है कि पश्चिम वाले निवासियों को पूरब की ओर अपनी खेती करने में नदी के कारण बड़ी दिक्कत होती है;

(घ) यदि खंड (क), (ख) और (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार डिस्ट्रिक्ट बोर्ड को आदेश देने का विचार करती है कि कुरहनी स्टेशन से बांधी जाने वाली सड़क से मिलाकर एक पुल नुन नदी पर बना दिया जाय?

माननीय पं० विनोदानन्द झा—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ग) नदी की दोनों ओर सड़कों की व्यवस्था है। फिर भी ऐसा अनुमान किया जाता है कि जिन्हें नदी के पार खेती करने के लिए जाना पड़ता होगा, उन्हें बरसात में कष्ट होता ही होगा।

(घ) जिस स्थान पर पुल बनाने का संकेत है वहां डिस्ट्रिक्ट बोर्ड की कोई सड़क नहीं है। अतः पुल बनाने के साथ-साथ सड़क भी बनवाना होगा जिसका कुल खर्च प्रायः ३०,००० रु० से ४०,००० रु० तक होगा जिसे अभी जुटाना संभव नहीं है।

### कुरहनी थाने का डिस्ट्रिक्ट बोर्ड अस्पताल।

*९१। श्री चेतू राम—क्या माननीय मंत्री, स्वायत्त-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि कुरहनी थाने में डिस्ट्रिक्ट बोर्ड की ओर से एक छोटा सा अस्पताल है;

(ख) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिले में किसी भी लोहे के स्टौकिस्ट के पास लोहा नहीं है, विशेषतः मुजफ्फरपुर शहर में भी नहीं है ;

(ग) क्या यह बात सही है कि इस कमी के कारण मुजफ्फरपुर जिले के निवासियों को घर इत्यादि बनाने में लोहा मिलता ही नहीं है और ब्लैक मार्केट में लोहा २८ रु० मन लोगों को खरीदना पड़ता है ;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो इन कठिनाइयों के क्या कारण हैं ;

(ङ) क्या सरकार मुजफ्फरपुर जिले के लोगों के लिए पटना में परमिट देने की प्रणाली को लागू करने के अभिस्ताव पर गौर कर, वहां की इस दिक्कत को शीघ्र दूर करने का विचार करती है ?

श्री वीरचन्द पटेल—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) उत्तर नकारात्मक है। लाइब्रेरी की मेज पर सूचना के लिए एक विवरण रखा गया है जिसमें मुजफ्फरपुर जिले में स्टौकिस्ट लोगों के पास १५ मार्च, १९५२ को कितना माल था, यह दिखाया गया है।

(ग) अवस्था अब कुछ तुलनात्मक दृष्टि से सुधर गई है, और मुजफ्फरपुर जिले के निवासियों के लिए अब परमिट दिए जा रहे हैं। सरकार को लोहे की चोर बाजारी की दर की कोई सूचना नहीं है।

(घ) ओ० टी० रेलवे में बुकिंग वस्तुतः बन्द हो गयी थी, जिससे सामान को पटना घाट तक ही बुक किया जाता था और स्टॉकिस्ट लोगों से आशा की जाती थी कि वे सामान को तिर्हुत डिवीजन के विभिन्न हिस्सों में ट्रक और नाव वगैरह द्वारा ले जाएंगे। इस व्यवस्था के अन्तर्गत स्टाकिस्ट लोग माल लेने में हिचकिचाते थे क्योंकि इस प्रणाली से उन्हें यातायात में अधिक खर्च बैठता था जो ग्राहकों से वसूल नहीं किया जा सकता था। मुजफ्फरपुर के मेसर्स रामअवतार साह, और टुनकी साह जैसे दूकानदारों ने इन्डेंट देने से भी इंकार किया था। उनमें से कुछ ने रुपये भी जमा नहीं किए थे। बहुत लिखापढ़ी करने के बाद रेलवे अधिकारी उत्तर बिहार की सब गाड़ियों को बनारस कैंट द्वारा भेजने पर तैयार हुए हैं। इससे स्थिति में बहुत सुधार होने की आशा की जाती है।

(ङ) अवश्य, उन्हीं लोगों को पटना के स्टॉकिस्ट लोगों से लोहा लेने के लिए परमिट दिया जाता है, जो अपने खर्च से उसे ले जाने के लिये तैयार हैं।

---

अघौरा थाने में धान और रब्बी के बीया की कमी।

*११६। श्री गुप्त नाथ सिंह—क्या माननीय मंत्री, कृषि विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि भभुआ सबडिवीजन में विशेष कर चांद, चैनपुर और अघौरा थानों में सूखा पड़ने के कारण धान और रब्बी के बीज आगामी फसल के लिये नहीं हुए हैं ;

(ख) क्या यह बात सही है कि अभी से धान और रब्बी फसल के बीज की व्यवस्था नहीं करने से आगामी फसलों के लिए संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है ;

(ग) यदि खंड (क) और (ख) के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार क्या बीज वितरण के लिये अभी से उचित व्यवस्था करने का विचार करती है?

श्री वीरचन्द पटेल—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) उत्तर नकारात्मक है।

(ग) आगामी फसलों के लिए बीज वितरण की बात पर सरकार विचार कर रही है।

श्री गुप्तनाथ सिंह—आपने (ख) के उत्तर में बताया है कि यह नकारात्मक है तो विचार सरकार किस बात पर कर रही है?

श्री वीरचन्द पटेल—सरकार डेस्परेट नहीं होती इस संकट की हालत में भी।

श्री गुप्तनाथ सिंह—सरकार को जब पता ही नहीं है कि वहां सूखा पड़ गया है तो विचार कैसे करेगी?

श्री वीरचन्द पटेल—सरकार को पता है कि "इन थानों में सूखा पड़ने के कारण धान और रब्बी के बीज आगामी फसल के लिये नहीं हुए हैं" और इसका जवाब स्वीकारात्मक दिया है और "धान और रब्बी फसल के बीज की व्यवस्था नहीं करने से आगामी फसलों के लिए संकट की स्थिति उत्पन्न हो गयी है"; इसका जवाब नकारात्मक है।

श्री गुप्तनाथ सिंह—क्या सरकार ने इसका पता लगाया है या नहीं?

माननीय अध्यक्ष—आपका प्रश्न भ्रमात्मक है। संकट की स्थिति उत्पन्न हो गयी है या नहीं यह आपको कैसे पता लगा?

श्री गुप्तनाथ सिंह—ओसाने के बाद पता चला कि अनाज बीज के योग्य नहीं है।

माननीय अध्यक्ष—इसका उत्तर सरकार ने दिया है कि बीज वितरण का प्रबंध हो रहा है।

---

KATEYA-GOPALGUNJ BUS SERVICE.

*117. **Shri NANDKISHORE NARAIN LAL**: Will the Hon'ble Minister in charge of Transport Department be pleased to state—

(*a*) whether there is only one bus-service running from Kateya to Gopalgunj *via* Bhorey on District Board road in the district of Saran ;

(*b*) whether it is a fact that the owner of the said bus-service does not grant receipts to the passengers and behaves with them rudely ;

(*c*) whether it is a fact that there were two buses running on this line ;